

This question paper contains 4 printed pages]

**ASME-21-PHIL-(I)**

**PHILOSOPHY (PAPER-I)**

**दर्शनशास्त्र (पेपर-I)**

Roll Number

Time Allowed : 3 Hours]

[Maximum Marks : 100

निर्धारित समय : 3 घंटे]

[अधिकतम अंक : 100

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

**प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश**

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. There are **EIGHT** questions printed both in English & Hindi.  
इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में छपे हैं।
2. Candidate has to attempt **FIVE** questions in all in English or Hindi.  
उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में देने हैं।
3. Question No. 1 is compulsory. Out of the remaining **SEVEN** questions, **FOUR** are to be attempted.  
प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
4. *All* questions carry equal marks. The number of marks carried by a question/ part is indicated against it.  
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न/भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.  
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
6. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.  
प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।
7. Re-evaluation/Re-checking of answer book of the candidate is not allowed.  
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन/पुनः जाँच की अनुमति नहीं है।

1. Write short notes on the following :

4×5=20

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) Nature of Puruṣa according to Sāṃkhya philosophy

सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष का स्वरूप

(ii) Jaina notion of āsrava and nirjarā

जैन दर्शन में आसृव तथा निर्जरा की अवधारणा

(iii) Leibniz's notion of pre-established harmony

लायबनिज की पूर्वस्थापित समन्वय की अवधारणा

(iv) Locke's arguments against the notion of innate ideas

जन्मजात प्रत्ययों की अवधारणा के विरोध में लॉक द्वारा प्रस्तुत युक्तियाँ

2. Explain the relation between *pramāna* and *pramāna-phala* according to Nyāya and Buddhist philosophy. In this connection also explain the difference between the notions of *pramāna-samplava* and *pramāna-vyavasthā*. 20

न्याय और बौद्ध-दर्शन के अनुसार प्रमाण और प्रमाण-फल के बीच के संबंध की व्याख्या कीजिए। इस संबंध में प्रमाण-सम्प्लव और प्रमाण-व्यवस्था की धारणाओं के बीच अन्तर भी स्पष्ट कीजिए।

3. Explain the notion of *jñātatā* as presented by Bhaṭṭa *Mīmāṃsākas* and contrast it with the notion of *triputi jñāna* of *Prabhākara* and the notion of *anuvyavasāya* as presented by the *Naiyāyikas*. 20

भाट्ट मीमांसकों द्वारा प्रस्तुत ज्ञातता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा प्रभाकर के त्रिपुत्री ज्ञान की धारणा और नैयायिकों द्वारा प्रस्तुत अनुव्यवसाय की अवधारणा के साथ इसकी तुलना कीजिए।

4. How is Rāmānuja's account of relation between the Brahman and Atmā different from that presented by Śaṅkara ? In this connection explain the notion of *aprthakasiddhi* as presented by Rāmānuja. 20  
ब्रह्म और आत्मा के बीच के संबंध की रामानुज की व्याख्या शंकर द्वारा प्रस्तुत व्याख्या से किस प्रकार भिन्न है ? इस संबंध में रामानुज द्वारा प्रस्तुत अपृथकसिद्धि की धारणा की व्याख्या कीजिए।
5. What is the paradox of material implication as presented in western philosophical account of Logic ? Why is there no such paradox in classical Indian philosophy ? Critically explain. 20  
तर्कशास्त्र के पश्चिमी दार्शनिक विवरण में प्रस्तुत भौतिक निहितार्थ का विरोधाभास (पाराडॉक्स ऑफ मैटेरियल इम्प्लीकेशन) क्या है ? शास्त्रीय भारतीय दर्शन में ऐसा विरोधाभास क्यों नहीं है ? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
6. Present an account of philosophical difference between the notion of Absolute Idealism and Subjective Idealism with reference to Hegel's and Berkley's philosophy. 20  
हेगेल और बर्कले के दर्शन के संदर्भ में निरपेक्ष आदर्शवाद और व्यक्तिपरक प्रत्ययवाद की धारणा के बीच दार्शनिक अन्तर की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।
7. "When I say that my logic is atomistic, I mean that I share the common-sense belief that there are many separate things; I do not regard the apparent multiplicity of the world as consisting merely in phases and unreal divisions of a single indivisible Reality." Comment on this statement in light of Russell's notion of Logical Atomism. 20

“जब मैं कहता हूँ कि मेरा तर्क परमाणुवादी है, तो मेरा मतलब है कि मैं सामान्य-समझ के इस विश्वास को साझा करता हूँ कि जगत में कई भिन्न-भिन्न वस्तुएँ हैं; मैं संसार में प्रत्यक्ष बहुलता को एक अविभाज्य वास्तविकता के अवास्तविक तथा चरणबद्ध विभाजनों के रूप में संयोजित नहीं मानता। इस कथन पर रसेल की तार्किक परमाणुवाद की धारणा के आलोक में टिप्पणी कीजिए।

8. Is Gandhi's notion of Sarvodaya necessarily in conflict with his notion of Trusteeship ? Give reasons and justifications for your answer. 20

क्या गाँधी की सर्वोदय की अवधारणा अनिवार्य रूप से उनकी ट्रस्टीशिप की अवधारणा के विपरीत है ? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा औचित्य प्रस्तुत कीजिये।